भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं.4785
दिनांक 23 मार्च, **2020**

भारत-तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पा कस्तान-भारत
गैस पाइप लाइन

4785. श्रीमती चंता अनुराधा:

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने भारत-तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पा कस्तान-भारत गैस पाइप लाइन को पुनर्जी वत करने के लए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) भारत की गैस और प्राकृतिक गैस की वर्तमान मांग और आपूर्ति का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा इस पाइप लाइन को रद्द करने की स्थिति में भारतीय राजस्व को होने वाली अनुमानित हानि का ब्यौरा क्या है;

(घ) भारत में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस की उपलब्धता और मांग का राज्य-वार सटीक ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस कारोबार और इससे संबद्ध कारोबारों में प्रत्यक्ष वदेशी निवेश की वर्तमान स्थिति क्या है**?**

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) तापी गैस पाइपलाइन स्था पत करने के उद्देश्य से व भन्न करारों को अंतिम रूप देने के लए तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, पा कस्तान और भारत की राष्ट्रीय गैस कंपनियों का पाइपलाइन परिसंघ तापी पाइपलाइन कंपनी ल मटेड (टीपीसीएल) पणधारकों के साथ समन्वय कर रहा है।

(ख) भारत का प्राकृतिक गैस का वर्तमान उत्पादन 32.87 बि लयन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है और प्राकृतिक गैस की माँग/खपत 60.80 बीसीएम है।

(ग) चूं क टीपीसीएल और भागीदार राष्ट्रीय कम्पनियाँ, परियोजना से संबं धत व भन्न करारों को अंतिम रूप देने के लए वचार-वमर्श कर रही हैं, अतः परियोजना का वत्तीय मूल्यांकन करना जल्दबाजी होगी।

(घ) भारत का कच्चे तेल का वर्तमान उत्पादन 34.20 म लयन मीट्रिक टन (एमएमटी) है और कच्चे तेल की माँग/खपत 213.22 एमएमटी है।

(ङ) पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में वर्ष 2018-19 के दौरान एफडीआई इनफ्लो 940.23 करोड़ है।

*****